हिंदी भाषा शिक्षा (Language Education-Hindi)
डी.एल.एड. - प्रथम वर्ष, कोर्स कोड-104

समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 75

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में चार भाग हैं, भाग-1, भाग-2, भाग-3,और भाग-4
- प्रत्येक भाग के प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- भाग-1 में 1-1 अंक के 10 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं, सही उत्तर/ विकल्प चुनकर लिखिए ।
- भाग-2 में 2-2 अंक के 5 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं, सही उत्तर/ विकल्प चुनकर लिखिए ।
- भाग-3 में 3-3 अंक के 8 प्रश्न दिए गए हैं, किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए ।
- भाग-4 में 8-8 अंक के 8 प्रश्न दिए गए हैं, किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में लिखिए ।

भाग-1 बहुविकल्पीय प्रश्न (10X1=10)

1. भाषा के रूप हैं-
   क. मौखिक ,लिखित, सांकेतिक
   ख. मौखिक ,लिखित, ध्वनि
   ग. मौखिक, सांकेतिक, ध्वनि
   घ. लिखित, सांकेतिक, ध्वनि

2. राजस्थानी बोली में निम्नलिखित बोलियाँ आती हैं-
   क. मारवाड़ी, जयपुरी,मेवाती अवधि
   ख. जयपुरी मेवाती अवधि, बघेली
   ग. मारवाड़ी, जयपुरी ,मेवाती, मालवी
   घ. जयपुरी मेवाती अवधि, मालवी

3. भाषा के कौशलात्मक उद्देश्य के दो वर्ग हैं-
   क. ज्ञानात्मक, अभिव्यक्तात्मक
   ख. अभिव्यक्तात्मक, भावात्मक
   ग. ग्रहणात्मक, भावात्मक
   घ. ग्रहणात्मक, अभिव्यक्तात्मक

4. बोलचाल की हिंदी की शैलियाँ हैं-
   क. हिंदी, उर्दू ,अंग्रेजी
   ख. हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी
   ग. हिंदुस्तानी, उर्दू, अंग्रेजी
   घ. हिंदी अंग्रेजी, हिंदुस्तानी

5.गद्य शिक्षण के अंग हैं-

क. वाचन, व्याख्या, भाव-विश्लेषण
ख. वाचन, विचार-विश्लेषण, सराहना
ग. वाचन , व्याख्या, विचार-विश्लेषण
घ. वाचन , व्याख्या ,सराहना

6. गद्य शिक्षण की विधाएँ हैं –
क कहानी, नाटक, दोहा
ख. कहानी, दोहा, एकांकी
ग. कहानी नाटक, एकांकी
घ. कहानी, नाटक, कविता

7. मूल्यांकन से तात्पर्य है-
क. संज्ञानात्मक व सहसंज्ञानात्मक दोनों पक्षों की जाँच
ख. संज्ञानात्मक एव सहसंज्ञानात्मक में से एक पक्ष की जाँच
ग. संज्ञानात्मक एवं मात्रात्मक दोनों पक्षों की जाँच
घ. संज्ञानात्मक व मात्रात्मक में से एक पक्ष की जाँच

8. लिखित परीक्षा के रूप हैं- _
क. निबंधात्मक परीक्षा, लघुउत्तरात्मक परीक्षा, गृहकार्य
ख. निबंधात्मक परीक्षा, लघुउत्तरात्मक परीक्षा, पर्यवेक्षण
ग. निबंधात्मक परीक्षा, लघुउत्तरात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा
घ. निबंधात्मक परीक्षा, लघुउत्तरात्मक परीक्षा, वस्तुनिष्ठ परीक्षा

9. हिंदी-भाषा शिक्षण की दृष्टि से भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता हैं-
क.शिक्षण सहायक सामग्री
ख.पाठ्य सहगामी क्रियाएँ
ग.निदानात्मक क्रियाएँ
घ. सुधारात्मक क्रियाएँ

10. हिंदी भाषा शिक्षण के दृश्य-श्रव्य साधन हैं-
क.दूरदर्शन, चलचित्र, कम्प्यूटर
ख. दूरदर्शन, चलचित्र, समाचार पत्र
ग. दूरदर्शन, चलचित्र, रेडियो
घ.. दूरदर्शन, चलचित्र, टेपरिकार्डर

भाग-2 अभिकथन एवं तर्क से संबंधित प्रश्न (5X2=10)

नीचे दिए गए प्रश्नों के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न के लिए दो-दो कथन दिए गए हैं । जिन्हें अभिकथन और तर्क के द्वाराचिहिन्त किया गया है ।कथनों को ध्यान से पढ़ते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए ।

प्रश्न-11

अभिकथन- भाषा एक सामाजिक प्रक्रिया है ।
तर्क- भाषा मानव को सभ्य और सुसंस्कृत बनाती है ।
अ. अभिकथन सही है, परंतु तर्क गलत है ।
ब. अभिकथन गलत है, परंतु तर्क सही है ।
स. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
द. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं परंतु तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।

प्रश्न-12

अभिकथन- विद्यालय अनुभव कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों के लिए अनिवार्य है ।

तर्क- इसमें प्रशिक्षणार्थियों की भूमिका के साथ-साथ पर्यवेक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।

अ. अभिकथन सही है, परंतु तर्क गलत है ।
ब. अभिकथन गलत है, परंतु तर्क सही है ।
स. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है ।
द. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं परंतु तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

प्रश्न-13

अभिकथन -स्मृति के आधार पर किसी विषय या व्यक्ति के संबंध में लिखित लेख संस्मरण कहलाता है।

तर्क- संस्मरण में व्यक्ति अपने जन्म, माता-पिता,उनकी शिक्षा एवं व्यवसाय आदि के बारे में चित्रण करता है ।

अ. अभिकथन सही है, परंतु तर्क गलत है ।
ब. अभिकथन गलत है, परंतु तर्क सही है ।
स. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है ।
द. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं परंतु तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

प्रश्न-14

अभिकथन -रोग या दोष का पता लगाना निदान कहलाता है ।

तर्क- निरीक्षण, परीक्षण, साक्षात्कार और संचित-अभिलेख शैक्षणिक निदान की विधियाँ हैं ।

अ. अभिकथन सही है, परंतु तर्क गलत है ।
ब. अभिकथन गलत है, परंतु तर्क सही है ।
स. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है ।
द. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं परंतु तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

प्रश्न-15

अभिकथन-दृश्य-श्रव्य सामग्री की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका है ।

तर्क- इसके द्वारा विद्यार्थियों का अधिगम सरल एवं रुचिकर हो जाता है ।

अ. अभिकथन सही है, परंतु तर्क गलत है ।
ब. अभिकथन गलत है, परंतु तर्क सही है ।
स. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है ।
द. अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं परंतु तर्क अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

भाग- 3 लघु-उत्तरात्मक प्रश्न (5X3=15)

प्रश्न- 16 बोली और मानक भाषा में कोई तीन अंतर बताइए ।

प्रश्न- 17 भाषा शिक्षण के विचारात्मक उद्देश्य पर टिप्पणी लिखिए ।

प्रश्न- 18श्रवण कौशल और संप्रेषण कौशल में क्या संबंध है ? बताइए ।

प्रश्न- 19प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों की कविता में रुचि बढ़ाने के लिए किन-किन तरीकों का प्रयोग किया जा सकता है? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

प्रश्न- 20 गद्य शिक्षण के विभिन्न अंगों की व्याख्या कीजिए ।

प्रश्न- 21मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग है । इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

प्रश्न- 22सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न- 23 हिंदी शिक्षण में पाठ्य-सहगामी क्रियाओं की भूमिका पर अपने विचार अभिव्यक्त कीजिए ।

भाग-4 निबंधात्मक प्रश्न (5X8=40)

प्रश्न- 24 धीमी गति से सीखने वाले छात्रों से क्या अभिप्राय है? आप अपनी कक्षा में धीमी गति से सीखने वाले छात्रों की पहचान किस प्रकार करेंगे ? उपयुक्त उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न-25 हिंदी भाषा शिक्षण के विभिन्न विभिन्न उद्देश्यों की सविस्तार विवेचना कीजिए ।

प्रश्न-26 गद्य शिक्षण और पद्य शिक्षण में अंतर स्पष्ट कीजिए तथा गतिविधि आधारित शिक्षण को ध्यान में रखते हुए कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों के लिए कविता शिक्षण से संबंधित एक पाठ योजना का निर्माण कीजिए ।

प्रश्न-27 कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी विषय से संबंधित ब्लूप्रिंट सहित एक प्रश्नपत्र का निर्माण कीजिए ।

प्रश्न-28 जनसंचार के साधनों को स्पष्ट करते हुए हिंदी शिक्षण में इनकी भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न-29 शालिनी कक्षा चार की विद्यार्थी है । उसकी शिक्षिका कक्षा में संज्ञा पढ़ाते समय सर्वप्रथम संज्ञा की परिभाषा बताती है और उसके उपरांत संज्ञा के उदाहरण बताती है; जबकि उसका भाई शुभम शाम की पाली में कक्षा चार में ही पढ़ता है । उसके अध्यापक संज्ञा पढ़ाते समय सर्वप्रथम संज्ञा के उदाहरण देते हैं और उसके उपरांत परिभाषा तक पहुंचते हैं; दोनों ही शिक्षक अपनी-अपनी कक्षा में संज्ञा सिखा रहे हैं । शुभम संज्ञा के उदाहरण आस-पास के वातावरण से ही बता देता है; जबकि शालिनी अभी भी संज्ञा के उदाहरण नहीं बता पाती है, विचार कीजिए ऐसा क्यों है? आप अपने उत्तर की पुष्टि तर्क सहित कीजिए ।

प्रश्न-30 विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के दौरान हिंदी शिक्षण करते समय आपने अनुभव किया होगा कि विद्यार्थी वर्तनीगत अशुद्धियां करते हैं । विद्यार्थी किस प्रकार की वर्तनीगत अशुद्धियां करते थे और आपने उन अशुद्धियों का निराकरण किस प्रकार किया? उपयुक्त उदाहरण देते हुए अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

प्रश्न-31 मोनिका कक्षा 3 की अध्यापिका थी । वह अपनी कक्षा में विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करती थी। जिसके माध्यम से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया रुचिकर हो जाती थी; परंतु उसी कक्षा में दिनेश नाम का लड़का था। जिसको शिक्षण सहायक सामग्री के माध्यम से भी पाठ से संबंधित विषय-वस्तु समझ में नहीं आती थी, इसलिए वह कक्षा में निष्क्रिय रहता था तथा पढ़ाई में कोई विशेष रूचि नहीं दिखाता था। अत: मोनिका ने उसकी ओर ध्यान देना भी छोड़ दिया था। दिनेश कक्षा 3 में बड़ी मुश्किल से पास होकर कक्षा 4 में आ गया । यहां सीमा मैडम शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करने के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण का प्रयोग भी कर रही थी साथ ही साथ वह समूह कार्य भी करवाती थी जिसके परिणाम स्वरूप दिनेश ने भी कक्षा में रुचि लेना और सभी गतिविधियों में भाग लेना भी प्रारंभ कर दिया था । जिससे दिनेश आत्मविश्वास का अनुभव करने लगा और पढ़ने-लिखने में उसे आसानी हो गई तथा कक्षा में उसके परिणाम बेहतर आने लगे, साथ ही साथ उसने भाषण प्रतियोगिता में भी उसने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।विचार कीजिए कक्षा 3 में ऐसा क्या था? जिससे दिनेश कक्षा में पिछड़ा हुआ था साथ ही साथ यह भी बताएं कि क्या केवल शिक्षण सहायक सामग्री के प्रयोग से ही बच्चों का संपूर्ण विकास संभव है?अपने उत्तर के पक्ष में तर्क देते हुए विवेचना कीजिए ।